आज शुक्रवार है

आज शुक्रवार है माँ अम्बे का वार है, ये सच्चा दरबार है।
लाल चुनर ओढ़े है मैया सिंह पे सवार है॥

चण्ड मुंड ने स्वर्ग में आके जब उत्पात मचाया है,
देवों की विनती पे माँ ने रूप विराट बनाया है।
चण्ड मुण्ड पर वार है इनका फिर संहार है,
लाल चुनर ओढ़े है मैया सिंह पे सवार है॥
आज शुक्रवार है…

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शुम्ब निशुंभ को मारने वाले महिषासुर की घाती है,
महाकाल के संग विराजे महाकाली कहलाती है।
हाथों में तलवार है खप्पर भी ये धार है ,
लाल चुनर ओढ़े है मैया सिंह पे सवार है॥
आज शुक्रवार है…

कोई कहता दुर्गा तुमको कोई कहता काली है,
पिंडी रूप में वैष्णो मैया दर्शन देने वाली है।
करती बेड़ा पार है करती माँ उद्धार है,
लाल चुनर ओढ़े है मैया सिंह पे सवार है॥
आज शुक्रवार है…

नवरातों में नौ रूपों में सबके घर माँ आती है,
कंजक रूप में हलवा चने का मैया भोग लगती है।

शक्ति का अवतार है होती जय जयकार है,
लाल चुनर ओढ़े है मैया सिंह पे सवार है॥

आज शुक्रवार है माँ अम्बे का वार है, ये सच्चा दरबार है।
लाल चुनर ओढ़े है मैया सिंह पे सवार है॥

अन्य भजन

- आज रविवार है
- आज सोमवार है
- आज मंगलवार है
- आज बुधवार है
- आज गुरुवार है
- आज शुक्रवार है
- आज शनिवार है

हिन्दीपथ.कॉम